B/I
L-10
Indian Geography

द्वीप निर्माण

1. विवर्तनिकी द्वीप →

प्लेटों के विवर्तन के कारण अभिसारी एवम् अपसारी सीमाओं पर मैग्मा का उद्वेलन होता है, जिसके जल की सतह के ऊपर आने पर द्वीप निर्माण होता है। उदाहरण- जापान, इण्डोनेशिया, अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह।

2. ज्वालामुखीय द्वीप →

अन्तः सागरीय ज्वालामुखियों के उद्गार, जैसे- मध्य महासागरीय कटक या हॉट स्पॉट ज्वालामुखी क्षेत्रों में इस प्रकार के द्वीप निर्मित होते हैं। जैसे → पीको द्वीप - अटलांटिक महासागर, हवाई द्वीप - प्रशांत महासागर।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner

3. महाद्वीपीय द्वीप →

ये द्वीप मूलतः महाद्वीपीय प्लेटों के किनारे पर पाए जाते हैं, मुख्य महाद्वीप और इस द्वीप के बीच का क्षेत्र जलीय अतिक्रमण के कारण इस छोटे भू-खण्ड को महाद्वीप से विभाजित करता है और द्वीप निर्माण होता है। उदाहरण- मेडागास्कर और श्री लंका द्वीप।

4. प्रवालभित्ति द्वीप →

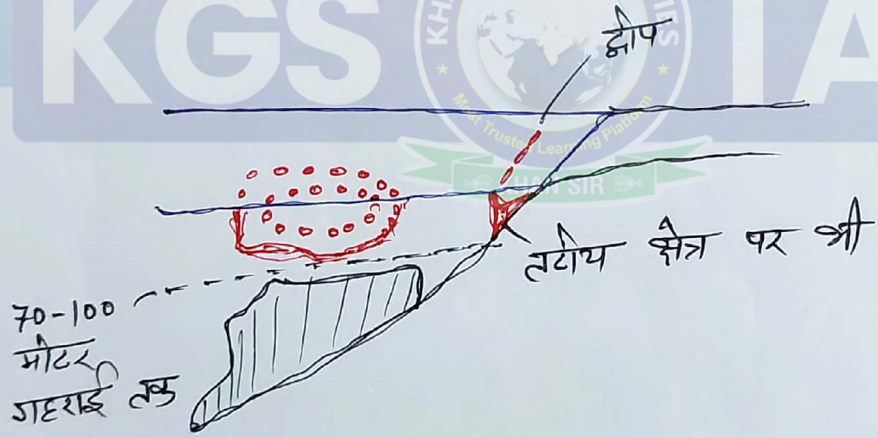

महासागरों के वर्षा वन
↳ विविधता
↳ उत्पादकता (प्रकाश संश्लेषण)

उथले तटीय निमग्न क्षेत्र → उथले अन्तःसागरीय चबूतरे

Scanned by CamScanner

उदाहरण
- ग्रेट बैरियर रीफ
- लक्षद्वीप
- अंडमान व निकोबार समूह के तटीय क्षेत्र।

5. अवसादी द्वीप →

- तटीय क्षेत्रों में अवसादी जमाव
- डेल्टाइक द्वीप
- नदी गुंफित अपवाह

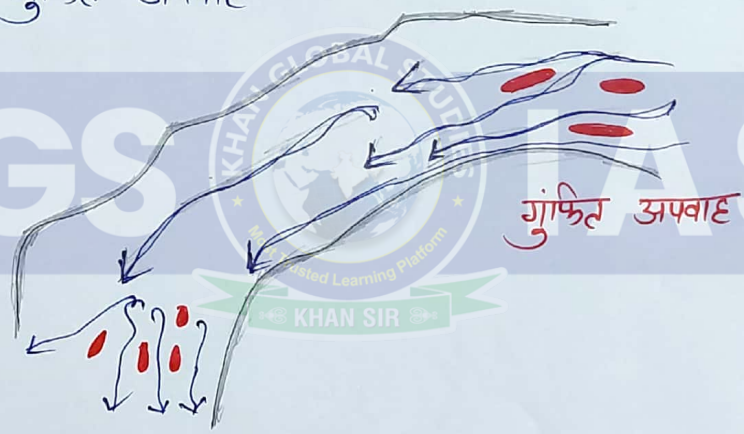

6. मानव निर्मित द्वीप → कृत्रिम द्वीप

Scanned by CamScanner